# 0329-0390 - Gregorius Nazianzenus - In consecratione Eulalii Doarensium episcopi 1

**This text belongs to the Thesaurus Linguae Graecae (TLG®), a Research Center at the University of California, Irvine, which digitized it and owns the relevant ©Copyright.**
**On May 15, 2008, Prof. M. Pantelia, the Director of the Center, has expressly authorized www.documentacatholicaomnia.eu to post it into our site.**
**Cooperatorum Veritatis Societas thanks the prof. Pantelia, the Center, and the University of California, Irvine, of having granted the opportunity to make publicly available this text of high quality, serial number '2022 026 '.**

Charset and format of the text have been changed in order to make it possible the computation of analytic indexes and concordances.
Analytical indexes and concordances have been made by the Cooperatorum Veritatis Societas.

In consecratione Eulalii Doarensium episcopi

[00001] ΛΟΓΟΣ ΙΓʹ.

[00002] Εἰς τὴν χειροτονίαν Δοαρῶν ὁμιλία ἐκδοθεῖσα Εὐλαλίῳ ἐπισκόπῳ.

[00003] Αʹ.

[00004] Δέξασθετὸν ἡμέτερον λόγον, ἀδελφοὶ, κἂν ἐλάχιστος ᾖ, κἂν παρὰ πολὺ τῆς ἀξίας λειπόμενος·

[00005] πλὴν ὅμως σταθμίζειν οἶδεν ὁ Δεσπότης Θεὸς τῇ δι καίᾳ κρίσει τὸν ἔλεον·

[00006] δέχεται γὰρ καὶ Παύλου τὴν φυτείαν, ὡς Παύλου, καὶ Ἀπολλὼ τὴν [35.853] ἀρδείαν, καὶ τὰ δύο λεπτὰ τῆς χήρας, καὶ τοῦ τελώνου τὴν ταπείνωσιν, καὶ τοῦ Μανασσῆ τὴν ἐξαγόρευσιν.

[00007] Δέξασθε λόγον νεόκτιστον ἐπὶ νεοκτίστῳ ποιμένι·

[00008] δέξασθε φωνὴν εὐχαριστήριον ἐπὶ τοῖς ὁρωμένοις θαύμασι.

[00009] Μικροὶ μὲν ἡμεῖς καὶ ἐλάχιστοι ἐν υἱοῖς Ἰσραήλ·

[00010] εὐχαριστεῖν δὲ πλουσίως οὐδὲν κωλύει καὶ τοὺς μικρούς.

[00011] Τὴν μὲν οὖν τελεωτέραν εὐφημίαν ἀποδώσουσι τῷ Θεῷ πάντως οἱ τελεώτεροι·

[00012] ἡμεῖς δὲ τὴν κατὰ δύναμιν εἰσοίσομεν σήμερον.

[00013] Τοιγαροῦν ᾄσατε τῷ Κυρίῳ ᾆσμα καινόν·

[00014] ὅτι θαυμαστὰ ἐποίησεν.

[00015] Ἐκυμαινόμεθα, ἐπολεμούμεθα, ἐξωθούμεθα·

[00016] τὰ μὲν ἤδη παρῆν τῶν δεινῶν, τὰ δὲ ἤμελ λεν.

[00017] Ἀλλὰ τίς ἔστησε τὴν καταιγίδα εἰς αὔραν;

[00018] Τίς συνέτριψεν ὅπλον, καὶ ῥομφαίαν, καὶ πόλεμον;

[00019] Τίς τοὺς ἐξωσμένους καὶ ἀπεῤῥιμμένους ἡμᾶς εἰσεδέξατο;

[00020] Οὐχὶ σὺ ὁ Θεὸς, ὁ ἐνεργήσας ταῦτα;

[00021] Κύριος κραταιὸς καὶ δυνατὸς, Κύριος δυνατὸς ἐν πολέμῳ.

[00022] Βʹ.

[00023] Οὗτος ἔτεμε θάλασσαν·

[00024] οὗτος ἔτρεψεν ἐν ἐρήμῳ λαὸν φυγάδα, ξένον ὑετὸν χαρισάμενος·

[00025] οὗτος πέ τραν ἐπήγασεν·

[00026] οὗτος κατεπολέμησε τὸν Ἀμαλὴκ, χειρῶν ἀποῤῥήτῳ καὶ μυστικῷ σχήματι.

[00027] Τοῦτο γὰρ ἴσχυσαν ἱερέως χεῖρες ἐπὶ τοῦ ὄρους αἰρόμεναι, καὶ εἰς εὐχὴν τυπούμεναι, ὃ πολλαὶ μυριάδες οὐκ ἴσχυσαν.

[00028] Οὗτος τείχη κατέσεισεν ἀμάχως καὶ ἀπολέ μως·

[00029] καὶ, ἵνα τὰ τελευταῖα λέγω, οὗτος κατήνεγκε τὸν Γολιὰθ κατὰ τοῦ μεγάλου Δαβὶδ τολμήσαν τα, τὸν ἐπηρμένον, καὶ ἀλαζόνα, καὶ ἀπόγονον τῶν γιγάντων.

[00030] Διὰ ταῦτα οὖν ὁμοθυμαδὸν λέγωμεν·

[00031] Εὐλογητὸς Κύριος, ὃς οὐκ ἔδωκεν ἡμᾶς εἰς θήραν τοῖς ὀδοῦσιν αὐτῶν·

[00032] καὶ, Χείμαῤῥον διῆλθεν ἡ ψυχὴ ἡμῶν·

[00033] ὡς στρουθίον ἐῤῥύσθη ἐκ τῆς παγίδος τῶν θηρευόντων·

[00034] ἄλλα τε ὅσα ψυχὴ περιχαρὴς ἐπὶ Θεοῦ μεγαλοδωρεᾷ φθέγγεται.

[00035] Οὐκ ἤλθομεν βάλλειν μάχαιραν, ἀλλ' εἰρήνην.

[00036] Οὐκ ἤλθομεν ἐπ' ἀτιμίᾳ τοῦ μεγάλου ποιμένος, τοῦ τῆς λαμπρᾶς προκαθεζομένου πόλεως·

[00037] τίμιον ἴσμεν, κεφαλὴν γινώσκομεν, ἅγιον καλοῦμεν, καὶ ἀδικούμε νοι·

[00038] μόνον ἔστω φιλότεκνος, καὶ πάσης προνοῶν Ἐκκλησίας.

[00039] Προσθήκην ἱερέων ἐπραγματευσάμεθα, οὐχ ὑφαίρεσιν·

[00040] αἱρετικῶν ἀνατροπὴν, οὐκ ὀρθοδόξων ἐλάττωσιν.

[00041] Γʹ.

[00042] Τί φῂς, ὦ παῖ Δαθὰν καὶ Ἀβειρὼν, καὶ [35.856] στρατηγὲ ἀσωφρόνιστε, ὁ κατὰ Μωϋσέως τολμήσας, καὶ χεῖρας ἐπαφεὶς ἡμῖν, ὥσπερ ἐκεῖνοι τὰς γλώσ σας τῷ μεγάλῳ θεράποντι;

[00043] Οὐκ ἔφριξας;

[00044] Οὐκ ἐν ετράπης;

[00045] Οὐκ ἔῤῥευσάν σοι ταῦτα διανοουμένῳ κατὰ γῆς αἱ σάρκες;

[00046] Εἶτα τὰς χεῖρας ταύτας ἀνατείνεις τῷ Θεῷ;

[00047] Εἶτα δῶρα προσάξεις;

[00048] Εἶτα ὑπερεύξῃ λαοῦ;

[00049] Φοβοῦμαι μή ποτε τοσοῦτον ἡ ῥομφαία τοῦ Θεοῦ κατιωθῇ, καὶ ἠρεμήσειεν.

[00050] Οὔτε τῷ ποιμένι τῷ σῷ μέγα τι ἐχαρίσω, καὶ σαυτὸν τὰ μέγιστα ἐζη μίωσας, ἀλλοτριώσας σεαυτὸν τῆς τοῦ Θεοῦ χά ριτος.

[00051] Δʹ.

[00052] Νῦν δὲ, ὦ ποιμένων ἄριστε καὶ τελεώτατε, δεῦ ῥόμοι καὶ τὸν σὸν ἀπολάμβανε λαὸν σὺν ἡμῖν τε καὶ πρὸ ἡμῶν, ὃν ἐνεχείρισέ σοι τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, ὃν προσάγουσιν ἄγγελοι, ὃν ὁ βίος καὶ ὁ τρόπος ἐπί-στευσεν.

[00053] Εἰ δὲ διὰ πειρασμῶν καὶ κωλυμάτων τὸν θρόνον κληρονομεῖς, μὴ θαυμάσῃς·

[00054] οὐδὲν τῶν μεγάλων ἀδόκιμον, οὐδὲν ἀβασάνιστον.

[00055] Ἕπεται γὰρ φύσει τοῖς μὲν ταπεινοῖς τὸ ῥᾴδιον, τοῖς δὲ ὑψηλοῖς

[00056] Επιτρέπετα

[00057] τὸ δύσκτητον.

[00058] Ἤκουσας τοῦ εἰπόντος, Ὅτι δεῖ ἡμᾶς διὰ πολλῶν θλίψεων εἰσελθεῖν εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν·

[00059] εἰπὲ καὶ αὐτός·

[00060] Διήλθομεν διὰ πυρὸς καὶ ὕδατος, καὶ ἐξήγαγες ἡμᾶς εἰς ἀναψυχήν.

[00061] Ὢ τοῦ θαύματος! Τὸ ἑσπέρας·

[00062] ηὐλίσθη κλαυθμὸς, καὶ εἰς τὸ πρωΐ ἀγαλλίασις.

[00063] Ἔαληρεῖν τοὺς πολεμοῦντας καὶ περιχάσκειν, ὡς κύνας ὑλακτοῦντας διακενῆς·

[00064] ἡμεῖς δὲ μὴ πολεμώμεθα.

[00065] Δίδασκε προσ-κυνεῖν Θεὸν τὸν Πατέρα, Θεὸν τὸν Υἱὸν, Θεὸν τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, ἐν τρισὶν ὑποστάσεσιν, ἐν μιᾷ δόξῃ τε καὶ λαμπρότητι.

[00066] Τὸ ἀπολωλὸς ἐκζήτει·

[00067] τὸ ἀσθενὲς ἐνίσχυε·

[00068] τὸ ἰσχυρὸν φύλασσε.

[00069] Τοσαύτην ἀπαιτοῦμέν σε τὴν ἐν τοῖς πνευματικοῖς εὐδοκίμησιν, ὅσην ἐπὶ τῶν κοσμικῶν συνέγνωμεν.

[00070] Τὴν μὲν οὖν τελεωτέραν ὅπλισιν δέχοιο παρὰ τῶν μειζόνων στρατηγῶν, δι' ἧς δυνήσῃ τὰ βέλη τοῦ πονηροῦ τὰ πεπυρωμένα σβέσαι, καὶ παραστῆσαι τῷ Κυρίῳ λαὸν περιούσιον, ἔθνος ἅγιον, βασίλειον ἱεράτευμα, ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ Κυρίῳ ἡμῶν, ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας.

[00071] Ἀμήν.

[00072] Επιτρέπετα

---

**© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.**
**0329-0390 - Gregorius Nazianzenus - In consecratione Eulalii Doarensium episcopi 1**
**Litterarum Omnium Conspectus: 118 Litterae, quae repetitae sunt in 3,249 occasionibus**

---

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| α | 0945 | 235 | Α | 0913 | 1 |
| β | 0946 | 11 | Β | 0914 | 1 |
| γ | 0947 | 45 | Γ | 0915 | 4 |
| δ | 0948 | 56 | Δ | 0916 | 0 |
| ε | 0949 | 207 | Ε | 0917 | 9 |
| ζ | 0950 | 6 | Ζ | 0918 | 0 |
| η | 0951 | 32 | Η | 0919 | 0 |
| θ | 0952 | 40 | Θ | 0920 | 10 |
| ι | 0953 | 134 | Ι | 0921 | 1 |
| κ | 0954 | 101 | Κ | 0922 | 6 |
| λ | 0955 | 101 | Λ | 0923 | 1 |
| μ | 0956 | 121 | Μ | 0924 | 3 |
| ν | 0957 | 268 | Ν | 0925 | 1 |
| ξ | 0958 | 16 | Ξ | 0926 | 0 |
| ο | 0959 | 206 | Ο | 0927 | 11 |
| π | 0960 | 90 | Π | 0928 | 6 |
| ρ | 0961 | 110 | Ρ | 0929 | 0 |
| ς | 0962 | 125 | • | 0930 | 0 |
| σ | 0963 | 134 | Σ | 0931 | 1 |
| τ | 0964 | 224 | Τ | 0932 | 10 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| υ | 0965 | 55 | Υ | 0933 | 1 |
| φ | 0966 | 17 | Φ | 0934 | 1 |
| χ | 0967 | 32 | Χ | 0935 | 2 |
| ψ | 0968 | 7 | Ψ | 0936 | 0 |
| ω | 0969 | 41 | Ω | 0937 | 0 |
| ῤ | 8164 | 5 | | | 0 |
| ῥ | 8165 | 8 | Ῥ | 8172 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ά | 8049 | 32 | έ | 8051 | 44 | ή | 8053 | 23 | ί | 8055 | 47 | ό | 8057 | 29 | ύ | 8059 | 24 | ώ | 8061 | 8 |
| ὰ | 8048 | 27 | ὲ | 8050 | 18 | ὴ | 80852 | 22 | ὶ | 8054 | 49 | ὸ | 8056 | 43 | ὺ | 8058 | 7 | ὼ | 8060 | 2 |
| ᾶ | 8118 | 5 | | | 0 | ῆ | 8134 | 11 | ῖ | 8150 | 27 | | | 0 | ῦ | 8166 | 33 | ῶ | 8182 | 23 |
| ἀ | 7936 | 25 | ἐ | 7952 | 40 | ἠ | 7968 | 1 | ἰ | 7984 | 18 | ὀ | 8000 | 3 | ὐ | 8016 | 24 | ὠ | 8032 | 0 |
| ἁ | 7937 | 0 | ἑ | 7953 | 1 | ἡ | 7969 | 16 | ἱ | 7985 | 8 | ὁ | 8001 | 8 | ὑ | 8017 | 6 | ὡ | 8033 | 3 |
| ἂ | 7938 | 2 | ἒ | 7954 | 0 | ἢ | 7970 | 0 | ἲ | 7986 | 0 | ὂ | 8002 | 0 | ὒ | 8018 | 0 | ὢ | 8034 | 0 |
| ἃ | 7939 | 0 | ἓ | 7955 | 0 | ἣ | 7971 | 0 | ἳ | 7987 | 0 | ὃ | 8003 | 5 | ὓ | 8019 | 0 | ὣ | 8035 | 0 |
| ἄ | 7940 | 3 | ἔ | 7956 | 9 | ἤ | 7972 | 4 | ἴ | 7988 | 3 | ὄ | 8004 | 1 | ὔ | 8020 | 2 | ὤ | 8036 | 0 |
| ἅ | 7941 | 4 | ἕ | 7957 | 0 | ἥ | 7973 | 0 | ἵ | 7989 | 1 | ὅ | 8005 | 6 | ὕ | 8021 | 1 | ὥ | 8037 | 1 |
| ἆ | 7942 | 0 | | | 0 | ἦ | 7974 | 0 | ἶ | 7990 | 4 | | | 0 | ὖ | 8022 | 3 | ὦ | 8038 | 2 |
| ἇ | 7943 | 0 | | | 0 | ἧ | 7975 | 1 | ἷ | 7991 | 0 | | | 0 | ὗ | 8023 | 6 | ὧ | 8039 | 0 |
| ᾀ | 8064 | 0 | | | 0 | ᾐ | 8080 | 0 | | | 0 | | | 0 | ῧ | 8167 | 0 | ᾠ | 8096 | 0 |
| ᾁ | 8065 | 0 | | | 0 | ᾑ | 8081 | 0 | | | 0 | | | 0 | ΰ | 8163 | 0 | ᾡ | 8097 | 0 |
| ᾂ | 8066 | 0 | | | 0 | ᾒ | 8082 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ᾢ | 8098 | 0 |
| ᾃ | 8067 | 0 | | | 0 | ᾓ | 8083 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ᾣ | 8099 | 0 |
| ᾄ | 8068 | 1 | | | 0 | ᾔ | 8084 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ᾤ | 8100 | 0 |
| ᾅ | 8069 | 0 | | | 0 | ᾕ | 8085 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ᾥ | 8101 | 0 |
| ᾆ | 8070 | 1 | | | 0 | ᾖ | 8086 | 1 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ᾦ | 8102 | 0 |
| ᾇ | 8071 | 0 | | | 0 | ᾗ | 8087 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ᾧ | 8103 | 1 |
| ᾳ | 8115 | 2 | | | 0 | ῃ | 8131 | 4 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῳ | 8179 | 11 |
| ᾴ | 8116 | 1 | | | 0 | ῄ | 8132 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῴ | 8180 | 0 |
| ᾷ | 8119 | 2 | | | 0 | ῇ | 8135 | 2 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῷ | 8183 | 13 |

Ceterae infrequentes vel rarissimae Litterae expositae non sunt

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.

**0329-0390 - Gregorius Nazianzenus - In consecratione Eulalii Doarensium episcopi 1**

**Verborum Omnium Conspectus: 410Verba, quae repetita sunt in 6,206,412 occasionibus**

---

**Α** [00003]
**ἀβασάνιστον** [00054]
**Ἀβειρὼν** [00042]
**ἀγαλλίασις** [00062]
**ἄγγελοι** [00052]
**ἅγιον** [00037] [00052] [00065] [00070]
**ἀδελφοὶ** [00004]
**ἀδικούμε** [00037]
**ἀδόκιμον** [00054]
**αἱ** [00045]
**αἱρετικῶν** [00040]
**αἰρόμεναι** [00027]
**αἰῶνας** [00070]
**ἀλαζόνα** [00029]
**ἀλλ** [00035]
**ἄλλα** [00034]
**Ἀλλὰ** [00017]
**ἀλλοτριώσας** [00050]
**Ἀμαλὴκ** [00026]
**ἀμάχως** [00028]
**Ἀμήν** [00071]
**ἀνατείνεις** [00046]
**ἀνατροπὴν** [00040]
**ἀναψυχήν** [00060]
**ἀξίας** [00004]
**ἀπαιτοῦμέν** [00069]
**ἀπεῤῥιμμένους** [00019]
**ἀπόγονον** [00029]
**ἀποδώσουσι** [00011]
**ἀπολάμβανε** [00052]
**ἀπολέ** [00028]
**Ἀπολλὼ** [00006]
**ἀπολωλὸς** [00066]
**ἀποῤῥήτῳ** [00026]
**ἀρδείαν** [00006]
**ἄριστε** [00052]
**ᾄσατε** [00013]
**ἀσθενὲς** [00067]
**ᾆσμα** [00013]
**ἀσωφρόνιστε** [00042]
**ἀτιμίᾳ** [00036]
**αὔραν** [00017]
**αὐτός** [00059]
**αὐτῶν** [00031]

**Β** [00022]
**βάλλειν** [00035]
**βασιλείαν** [00058]
**βασίλειον** [00070]
**βέλη** [00070]
**βίος** [00052]

**Γ** [00041]
**γὰρ** [00006] [00027] [00055]
**γῆς** [00045]
**γιγάντων** [00029]
**γινώσκομεν** [00037]
**γλώσ** [00042]
**Γολιὰθ** [00029]

**Δ** [00051]
**Δαβὶδ** [00029]
**Δαθὰν** [00042]
**δὲ** [00010] [00012] [00016] [00052] [00053] [00055] [00064]
**δεῖ** [00058]
**δεινῶν** [00016]
**Δέξασθε** [00007]
**δέξασθε** [00008]
**Δέξασθετὸν** [00004]
**Δεσπότης** [00005]
**δεῦ** [00052]
**δέχεται** [00006]
**δέχοιο** [00070]
**δι** [00005] [00070]
**Διὰ** [00030]
**διὰ** [00053] [00058] [00060]
**διακενῆς** [00063]
**διανοουμένῳ** [00045]
**Δίδασκε** [00065]
**διῆλθεν** [00032]
**Διήλθομεν** [00060]
**Δοαρῶν** [00002]
**δόξα** [00070]
**δόξῃ** [00065]
**δύναμιν** [00012]
**δυνατὸς** [00021] [00021]
**δυνήσῃ** [00070]
**δύο** [00006]
**δύσκτητον** [00057]
**δῶρα** [00047]

**Ἔαληρεῖν** [00063]
**ἔδωκεν** [00031]
**ἐζη** [00050]
**ἔθνος** [00070]
**Εἰ** [00053]
**εἰπὲ** [00059]
**εἰπόντος** [00058]

**εἰρήνην** [00035]
**Εἰς** [00002]
**εἰς** [00017] [00027] [00031] [00058] [00060] [00062] [00070]
**εἰσεδέξατο** [00019]
**εἰσελθεῖν** [00058]
**εἰσοίσομεν** [00012]
**Εἶτα** [00046] [00047] [00048]
**ἐκ** [00033]
**ἐκδοθεῖσα** [00002]
**ἐκεῖνοι** [00042]
**ἐκζήτει** [00066]
**Ἐκκλησίας** [00038]
**Ἐκυμαινόμεθα** [00015]
**ἐλάττωσιν** [00040]
**ἐλάχιστοι** [00009]
**ἐλάχιστος** [00004]
**ἔλεον** [00005]
**ἐν** [00009] [00021] [00024] [00044] [00065] [00065] [00069] [00070]
**ἐνεργήσας** [00020]
**ἐνεχείρισέ** [00052]
**ἐνίσχυε** [00067]
**ἐξαγόρευσιν** [00006]
**ἐξήγαγες** [00060]
**ἐξωθούμεθα** [00015]
**ἐξωσμένους** [00019]
**ἐπ** [00036]
**ἐπαφεὶς** [00042]
**Ἕπεται** [00055]
**ἐπήγασεν** [00025]
**ἐπηρμένον** [00029]
**ἐπὶ** [00007] [00008] [00027] [00034] [00069]
**ἐπί στευσεν** [00052]
**ἐπισκόπῳ** [00002]
**Επιτρέπετα** [00056] [00072]
**ἐποίησεν** [00014]
**ἐπολεμούμεθα** [00015]
**ἐπραγματευσάμεθα** [00039]
**ἐρήμῳ** [00024]
**ἔῤῥευσάν** [00045]
**ἐῤῥύσθη** [00033]
**ἑσπέρας** [00061]
**ἔστησε** [00017]
**ἔστω** [00038]
**ἔτεμε** [00023]
**ετράπης** [00044]
**ἔτρεψεν** [00024]
**εὐδοκίμησιν** [00069]
**Εὐλαλίῳ** [00002]
**Εὐλογητὸς** [00031]
**εὐφημίαν** [00011]
**εὐχαριστεῖν** [00010]
**εὐχαριστήριον** [00008]
**εὐχὴν** [00027]
**ἔφριξας** [00043]
**ἐχαρίσω** [00050]

**ἡ** [00032] [00049] [00070]
**ἢ** [00004]
**ἤδη** [00016]
**Ἤκουσας** [00058]
**ἤλθομεν** [00035] [00036]
**ἡμᾶς** [00019] [00031] [00058] [00060]
**ἡμεῖς** [00009] [00012] [00064]
**ἤμελ** [00016]
**ἡμέτερον** [00004]
**ἡμῖν** [00042] [00052]
**ἡμῶν** [00032] [00052] [00070]
**ἠρεμήσειεν** [00049]
**ἧς** [00070]
**ηὐλίσθη** [00062]

**θάλασσαν** [00023]
**θαυμάσῃς** [00053]
**θαύμασι** [00008]
**θαυμαστὰ** [00014]
**θαύματος** [00061]
**Θεὸν** [00065] [00065] [00065]
**Θεὸς** [00005] [00020]
**Θεοῦ** [00034] [00049] [00050]
**θεράποντι** [00042]
**Θεῷ** [00011] [00046]
**θήραν** [00031]
**θηρευόντων** [00033]
**θλίψεων** [00058]
**θρόνον** [00053]

**ΙΓ** [00001]
**ἱεράτευμα** [00070]
**ἱερέων** [00039]
**ἱερέως** [00027]
**Ἰησοῦ** [00070]
**ἵνα** [00029]
**ἴσμεν** [00037]
**Ἰσραήλ** [00009]
**ἰσχυρὸν** [00068]
**ἴσχυσαν** [00027] [00027]

**καίᾳ** [00005]
**καινόν** [00013]
**καλοῦμεν** [00037]
**κἂν** [00004] [00004]
**καταιγίδα** [00017]
**κατεπολέμησε** [00026]
**κατέσεισεν** [00028]
**κατήνεγκε** [00029]
**κατιωθῇ** [00049]
**κεφαλὴν** [00037]
**κλαυθμὸς** [00062]

κληρονομεῖς [00053]
κοσμικῶν [00069]
κραταιὸς [00021]
κρίσει [00005]
κύνας [00063]
Κύριος [00021] [00021] [00031]
Κυρίῳ [00013] [00070] [00070]
κωλύει [00010]
κωλυμάτων [00053]

λαμπρᾶς [00036]
λαμπρότητι [00065]
λαὸν [00024] [00052] [00070]
λαοῦ [00048]
λέγω [00029]
λέγωμεν [00030]
λειπόμενος [00004]
λεν [00016]
λεπτὰ [00006]
λόγον [00004] [00007]
ΛΟΓΟΣ [00001]

Μανασσῆ [00006]
μάχαιραν [00035]
μέγα [00050]
μεγαλοδωρεᾷ [00034]
μεγάλου [00029] [00036]
μεγάλῳ [00042]
μεγάλων [00054]
μέγιστα [00050]
μειζόνων [00070]
μὲν [00009] [00011] [00016] [00055] [00070]
μιᾷ [00065]
Μικροὶ [00009]
μικρούς [00010]
μίωσας [00050]
μόνον [00038]
μυριάδες [00027]
μυστικῷ [00026]
μως [00028]
Μωϋσέως [00042]

νεόκτιστον [00007]
νεοκτίστῳ [00007]
νοι [00037]
Νῦν [00052]

ξένον [00024]

ὁ [00005] [00020] [00020] [00042] [00052] [00052]
ὃ [00027]
ὀδοῦσιν [00031]
οἱ [00011]
οἶδεν [00005]
ὁμιλία [00002]
ὁμοθυμαδὸν [00030]
ὅμως [00005]
ὃν [00052] [00052] [00052]
ὅπλισιν [00070]
ὅπλον [00018]
ὀρθοδόξων [00040]
ὄρους [00027]
ὁρωμένοις [00008]
ὃς [00031]
ὅσα [00034]
ὅσην [00069]
ὅτι [00014]
Ὅτι [00058]
οὐδὲν [00010] [00054] [00054]
Οὐκ [00035] [00036] [00043] [00044] [00045]
οὐκ [00027] [00031] [00040]
οὖν [00011] [00030] [00070]
οὐρανῶν [00058]
Οὔτε [00050]
Οὗτος [00023] [00028]
οὗτος [00024] [00025] [00026] [00029]
οὐχ [00039]
Οὐχὶ [00020]

παγίδος [00033]
παῖ [00042]
πάντως [00011]
παρὰ [00004] [00070]
παραστῆσαι [00070]
παρῆν [00016]
πάσης [00038]
Πατέρα [00065]
Παύλου [00006] [00006]
πέ [00025]
πειρασμῶν [00053]
πεπυρωμένα [00070]
περιούσιον [00070]
περιχαρὴς [00034]
περιχάσκειν [00063]
πλὴν [00005]
πλουσίως [00010]
Πνεῦμα [00052] [00065]
πνευματικοῖς [00069]
ποιμένι [00007] [00050]
ποιμένος [00036]
ποιμένων [00052]
πόλεμον [00018]
πολεμοῦντας [00063]
πολέμῳ [00021]
πολεμώμεθα [00064]

πόλεως [00036]
πολλαὶ [00027]
πολλῶν [00058]
πολὺ [00004]
πονηροῦ [00070]
ποτε [00049]
πρὸ [00052]
προκαθεζομένου [00036]
προνοῶν [00038]
προσ κυνεῖν [00065]
προσάγουσιν [00052]
προσάξεις [00047]
Προσθήκην [00039]
πρωῒ [00062]
πυρὸς [00060]

ῥᾴδιον [00055]
ριτος [00050]
ρόμοι [00052]
ῥομφαία [00049]
ῥομφαίαν [00018]

σάρκες [00045]
σας [00042]
σαυτὸν [00050]
σβέσαι [00070]
σε [00069]
σεαυτὸν [00050]
σήμερον [00012]
σοι [00045] [00052]
σὸν [00052]
σταθμίζειν [00005]
στρατηγὲ [00042]
στρατηγῶν [00070]
στρουθίον [00033]
σὺ [00020]
σὺν [00052]
συνέγνωμεν [00069]
συνέτριψεν [00018]
σχήματι [00026]
σῷ [00050]

τὰ [00006] [00016] [00016] [00029] [00050] [00070] [00070]
τα [00029]
ταπεινοῖς [00055]
ταπείνωσιν [00006]
τὰς [00042] [00046]
ταῦτα [00020] [00030] [00045]
ταύτας [00046]
τε [00034] [00052] [00065]
τείχη [00028]
τελευταῖα [00029]
τελεώτατε [00052]
τελεωτέραν [00011] [00070]
τελεώτεροι [00011]
τελώνου [00006]
τῇ [00005]
Τὴν [00011] [00070]
τὴν [00002] [00006] [00006] [00006] [00006] [00012] [00017] [00058] [00069]
τῆς [00004] [00006] [00033] [00036] [00050]
Τί [00042]
τι [00050]
τίμιον [00037]
Τίς [00018] [00019]
τίς [00017]
Τὸ [00061] [00066]
τὸ [00052] [00052] [00055] [00057] [00062] [00065] [00065] [00067] [00068]
Τοιγαροῦν [00013]
τοῖς [00008] [00031] [00055] [00055] [00069]
τολμήσαν [00029]
τολμήσας [00042]
τὸν [00005] [00026] [00029] [00029] [00052] [00053] [00065] [00065]
Τοσαύτην [00069]
τοσοῦτον [00049]
τοῦ [00006] [00006] [00027] [00029] [00036] [00036] [00049] [00050] [00058] [00061] [00070]
τοὺς [00010] [00019] [00063] [00070]
Τοῦτο [00027]
τραν [00025]
τρισὶν [00065]
τρόπος [00052]
τυπούμεναι [00027]
τῷ [00011] [00013] [00042] [00046] [00050] [00050] [00070] [00070]
τῶν [00016] [00029] [00033] [00054] [00058] [00069] [00070]

ὕδατος [00060]
ὑετὸν [00024]
υἱοῖς [00009]
Υἱὸν [00065]
ὑλακτοῦντας [00063]
ὑπερεύξη [00048]
ὑποστάσεσιν [00065]
ὑφαίρεσιν [00039]
ὑψηλοῖς [00055]

φῄς [00042]
φθέγγεται [00034]
φιλότεκνος [00038]
Φοβοῦμαι [00049]
φυγάδα [00024]
φύλασσε [00068]
φύσει [00055]
φυτείαν [00006]
φωνὴν [00008]

χά [00050]

**χαρισάμενος** [00024]
**Χείμαῤῥον** [00032]
**χεῖρας** [00042] [00046]
**χεῖρες** [00027]
**χειροτονίαν** [00002]
**χειρῶν** [00026]
**χήρας** [00006]
**Χριστῷ** [00070]

**ψυχὴ** [00032] [00034]

**ὦ** [00042] [00052]
**Ὢ** [00061]
**ᾧ** [00070]
**ὡς** [00006] [00033] [00063]
**ὥσπερ** [00042]